प्रधानमंत्री मोदी और उनकी सरकार का

सिखों के साथ विशेष संबंध

ਕੌਮੀ ਸੇਵਾ ਅਵਾਰਡ

ਜਗਤ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹ ਸਤਿਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਦੇਵ ਜੀ ਮਹਾਰਾਜ ਦੇ 550ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ [illegible] ਮੌਕੇ 'ਤੇ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਉਤੇ ਅਕਾਲ ਪੁਰਖ ਅਤੇ ਮਹਾਨ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬਾਨ [illegible] ਬਖਸ਼ਿਸ਼ ਹੋਈ ਹੈ ਕਿ ਇਸ ਇਤਿਹਾਸਿਕ ਅਵਸਰ ਤੇ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਦਾ [illegible] ਗੁਰਧਾਮਾਂ ਦੇ ਖੁੱਲੇ ਦਰਸ਼ਨ ਦੀਦਾਰ ਲਈ ਦੁਨੀਆਂ ਦੇ ਕੋਨੇ-ਕੋਨੇ [illegible] ਵਲੋਂ ਅਰਦਾਸਿਆਂ ਤੋਂ ਨਿਰੰਤਰ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਅਰਦਾਸ ਅਕਾਲ ਪੁਰਖ [illegible] ਕਬੂਲ ਹੋ ਗਈ ਹੈ। ਇਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਪਹਿਲੇ ਕਦਮ ਦੇ ਰੂਪ ਵਿਚ, [illegible] ਸਾਹਿਬ ਤੇ ਕਰਤਾਰਪੁਰ ਸਾਹਿਬ (ਪਾਕਿਸਤਾਨ) ਵਿਚ ਸਥਿਤ ਗੁਰੂ ਨਾਨਕ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹ ਦੇ ਜੀਵਨ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਗੁਰਧਾਮਾਂ ਨੂੰ ਆਪਸ ਵਿਚ ਜੋੜਨ ਵਾਲਾ ਲਾਂਘਾ ਸੰਗਤਾਂ ਲਈ ਖੋਲ ਦਿੱਤਾ ਗਿਆ ਹੈ ।

ਸਤਿਗੁਰ ਸੱਚੇ ਪਾਤਿਸ਼ਾਹ ਜੀ ਦੇ 550ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਤੇ ਸਿਖ ਸੰਗਤਾਂ ਨੂੰ ਇਸ ਤੋਂ ਵੱਡੀ ਹੋਰ ਕੋਈ ਦਾਤ ਹੋਰ ਨਹੀਂ ਮਿਲ ਸਕਦੀ ਸੀ ਕਿ ਦੇਸ਼ ਦਾ ਕੋਈ ਮੁਖੀਆ ਮਜਬੂਤ ਬਣਕੇ ਸਿੱਖ ਜਗਤ ਦੀ ਇਸ ਸਧਰ ਦੀ ਪੂਰਤੀ ਲਈ ਸਿਆਸੀ ,ਪ੍ਰਸ਼ਾਸਨਿਕ ਅਤੇ ਕੂਟਨੀਤਕ ਦਲੇਰੀ ਦਾ ਮੁਜ਼ਾਹਰਾ ਕਰੇ ।ਇਹ ਗੁਰੂ ਦੀ ਮਿਹਰ ਸਦਕਾ ਹੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ ਕਿ ਆਸਥਾ, ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਅਤੇ ਮਾਨਵਤਾ ਲਈ ਪ੍ਰੇਮ ਵਾਲੇ ਇਸ ਲਾਂਘੇ ਨੂੰ ਖੁਲਵਾਉਣ ਦੀ ਖੁਸ਼ੀ ਦੀ ਬਖਸ਼ਿਸ਼ ਕਿਸੇ ਅਜਿਹੇ ਪ੍ਰਾਣੀ ਨੂੰ ਹੀ ਨਸੀਬ ਹੋਵੇ ਜੋ ਆਪ ਵੀ ਸਿੱਖੀ ਨਾਲ ਡੂੰਘੇ ਪ੍ਰੇਮ ਅਤੇ ਗੁਰੂ ਚਰਨਾਂ ਪ੍ਰਤੀ ਅਥਾਹ ਸ਼ਰਧਾ ਵਿਚ ਓਤ-ਪੋਤ ਹੋਏ। ਇਸ ਦੀ ਸ਼ਰਧਾ ਦੀ ਮਿਸਾਲ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਜੀ ਵੱਲੋਂ ਗੁਰੂ ਮਹਾਰਾਜ ਦੇ 550ਵੇਂ ਪ੍ਰਕਾਸ਼ ਉਤਸਵ ਨੂੰ ਮਨਾਉਣ ਵਿਚ ਪਾਏ ਜਾ ਰਹੇ ਬੇਮਿਸਾਲ ਯੋਗਦਾਨ, ਸ੍ਰੀ ਕਰਤਾਰਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਲਾਂਘੇ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਨ ਅਤੇ ' ਅਤੇ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬ ਦੀ ਮੁਢਲੀ ਕਰਮ ਭੂਮੀ ਸੁਲਤਾਨਪੁਰ ਲੋਧੀ ਨੂੰ ਅਤੀ ਆਧੁਨਿਕ ਸਮਾਰਟ ਸਿਟੀ ਬਣਾਉਣ ਸਮੇਤ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਨਾਲ ਸਬੰਧਿਤ ਚਿਰਾਂ ਤੋਂ ਲਟਕਦੇ ਦੁਖਦਾਈ ਮਸਲਿਆਂ ਨੂੰ ਹੱਲ ਕਰਨ ਲਈ ਚੁੱਕੇ ਅਨੇਕਾਂ ਕਦਮਾਂ ਤੋਂ ਮਿਲਦੀ ਹੈ ।ਸਮੂਹ ਸਿਖ ਜਗਤ ਦੀ ਇਹ ਤੀਬਰ ਇੱਛਾ ਅਤੇ ਅਰਦਾਸ ਰਹੇਗੀ ਕਿ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਜੀ ਹਮੇਸ਼ਾ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਦੇ ਪਿਆਰ, ਸਤਿਕਾਰ ਅਤੇ ਵਿਸ਼ਵਾਸ ਦਾ ਪਾਤਰ ਬਣੇ ਰਹਿਣ ।

ਬੀਤੇ ਸਮੇਂ ਵਿਚ, ਕਰਤਾਰਪੁਰ ਸਾਹਿਬ ਲਈ ਲਾਂਘੇ ਦੇ ਰਾਹ ਵਿਚ ਉਹਨਾਂ ਸ਼ਕਤੀਆਂ ਵਲੋਂ ਹੀ ਅਦਿੱਖ ਰੁਕਾਵਟਾਂ ਖੜੀਆਂ ਕੀਤੀਆਂ ਜਾ ਰਹੀਆਂ ਸਨ ਜੋ ਕਿ ਓਪਰੀ ਲੋਕ-ਦਿਖਾਵੇ ਵਾਸਤੇ ਇਸ ਲਾਂਘੇ ਦੇ ਹੱਕ ਦੀ ਗੱਲ ਕਰਦੇ ਆਏ ਹਨ । ਪਰ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਜੀ ਨੇ ਦੋਵਾਂ ਦੇਸ਼ਾਂ ਦਰਮਿਆਨ ਚਲ ਰਹੇ ਤਣਾਉ ਅਤੇ ਕਈ ਹੋਰ ਅਣਸੁਖਾਵੇਂ ਪਹਿਲੂਆਂ ਨੂੰ ਦਲੇਰੀ ਨਾਲ ਦਰ-ਕਿਨਾਰ ਕਰ ਕੇ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਦੇ ਮਨਾਂ ਅੰਦਰ ਆਪਣੇ ਪਾਵਨ ਗੁਰਧਾਮਾਂ ਦੇ ਖੁੱਲੇ ਦਰਸ਼ਨ ਦੀਦਾਰ ਦੀ ਸੱਧਰ ਨੂੰ ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਨੂੰ ਤਰਜੀਹ ਦਿੱਤੀ । ਇਸ ਲਾਂਘੇ ਨੂੰ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰਕੇ ਉਹਨਾਂ ਨੇ ਇਸ ਮਹਾਨ ਪਰਕਾਸ਼ ਪੁਰਬ ਉਤੇ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਨੂੰ ਜੋ ਦਿਲ ਟੁੰਬਵਾ ਤੁਹਫਾ ਦਿੱਤਾ ਹੈ, ਉਸ ਲਈ ਸਮੁੱਚਾ ਖਾਲਸਾ ਪੰਥ ਉਹਨਾਂ ਦਾ ਕੋਟਨ ਕੋਟ ਧੰਨਵਾਦ ਕਰਦਾ ਹੈ ।

ਅੱਜ ਦੇਸ਼ ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਪ੍ਰਤੀ ਸਨੇਹ ਤੇ ਸਤਿਕਾਰ ਅਤੇ ਮਹਾਨ ਗੁਰੂ ਸਾਹਿਬਾਨ ਪ੍ਰਤੀ ਅਥਾਹ ਸ਼ਰਧਾ ਪ੍ਰਗਟ ਕਰਨ ਲਈ ਸਾਡੇ ਵਿਚ ਬਿਰਾਜਮਾਨ ਹਨ । ਉਹਨਾਂ ਨੇ 2014 ਵਿਚ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ' ਅਹੁਦਾ ਸੰਭਾਲਦਿਆਂ ਸਾਰ ਹੀ ਤੁਰੰਤ ਠੋਸ ਫੈਸਲੇ ਲੈ ਕੇ 1984 ਵਿਚ ਸਿੱਖ ਕੌਮ ਉਤੇ ਵਾਪਰੇ ਮਹਾਂ ਦੁਖਾਂਤ ਅਤੇ ਸ਼ਰਮਨਾਕ ਪਾਪ ਦੇ ਦੋਸ਼ੀਆਂ ਨੂੰ ਕਨੂੰਨ ਦੇ ਸ਼ਿਕੰਜੇ ਵਿਚ ਲਿਆ ਕੇ ਸਜ਼ਾਵਾਂ ਦੁਆਉਣ ਦਾ ਅਮਲ ਸ਼ੁਰੂ ਕਰ ਦਿੱਤਾ ਸੀ, ਜਿਸ ਦੇ ਸਿੱਟੇ ਵਜੋਂ ਸਿਆਸੀ ਸਰਪ੍ਰਸਤੀ ਵਾਲੇ ਵਾਲੇ ਹਤਿਆਰਿਆਂ ਸਮੇਤ [illegible]

[illegible]

ਦੇ ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ ਸ੍ਰੀ ਨਰਿੰਦਰ ਮੋਦੀ ਜੀ ਨੂੰ [illegible] "ਕੌਮੀ ਸੇਵਾ ਅਵਾਰਡ" ਨਾਲ ਸਨਮਾਨਿਤ ਕਰਨ ਵਿਚ ਮਾਣ ਅਤੇ ਖੁਸ਼ੀ ਮਹਿਸੂਸ ਕਰਦੀ ਹੈ ।

9 नवंबर 2019 को श्री करतारपुर साहिब गलियारे के उद्‌घाटन के ऐतिहासिक अवसर पर एसजीपीसी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कौमी सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया।

कौमी सेवा पुरस्कार

सच्चे पातशाह सतगुरु (सच्चे बादशाह सच्चे शिक्षक) नानक देव जी महाराज के 550वें प्रकाश पर्व के शुभ अवसर पर, सिख कौम को अकाल पुरख (परमात्मा) और महान गुरु साहिबों का आशीर्वाद मिला है; इस ऐतिहासिक अवसर पर दशकों से दुनिया के हर कोने के सभी संगतों की दैनिक अरदास अकाल पुरख की दरगाह (The Almighty God's Court) में कबूल हो रही हैं। इसके परिणामस्वरूप और पहले कदम के रूप में, डेरा बाबा नानक साहिब और गुरु नानक पातशाह के जीवन से संबंधित पवित्र स्थल करतारपुर साहिब (पाकिस्तान) को जोड़ने वाले गलियारे को संगत के लिए खोला गया है।

सतगुरु सच्चे पातशाह जी की 550वीं जयंती पर, सिख संगत को इससे बड़ा दिव्य उपहार और क्या हो सकता है कि देश का मुखिया मसीहा बनकर सिख समुदाय की इस इच्छा को पूरा करने के लिए राजनीतिक, प्रशासनिक और कूटनीतिक साहस दिखाए। यह केवल गुरु की कृपा से ही हो सकता है कि आस्था, विश्वास और मानवता के लिए प्रेम के इस गलियारे को खोलने का आनंद उस व्यक्ति को नसीब हो, जिसका सिख धर्म से विशेष लगाव और गुरु चरणों में असीम श्रद्धा हो।

इस समर्पण की एक मिसाल गुरु महाराज की 550वीं जयंती मनाने में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अद्वितीय योगदान है, जिसमें श्री करतारपुर साहिब गलियारा को खोलना और गुरु साहिब की पहली कर्मभूमि सुल्तानपुर लोधी को एक अत्याधुनिक स्मार्ट सिटी बनाना शामिल है। ऐसे कई कदम हैं, जो लंबे समय से चली आ रही सिखों की मांगों को पूरा करने के लिए उठाए गए हैं। यह पूरे सिख

कौम की हार्दिक इच्छा और प्रार्थना रहेगी कि श्री नरेन्द्र मोदी सदैव सिख कौम के प्यार, आदर एवं विश्वास के पात्र बने रहें।

अतीत में उन ताकतों द्वारा श्री करतारपुर साहिब गलियारे के रास्ते में अदृश्य रुकावटें पैदा की गईं, जो केवल दिखावे के लिए इस गलियारे के पक्ष में बातें किया करते थे। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साहसिक कदम उठाते हुए दोनों देशों के बीच जारी तनाव और कई अन्य दुर्भाग्यपूर्ण मुद्दों को अलग रखा और पवित्र तीर्थस्थल के दर्शन के लिए सिख समुदाय की इच्छा को पूरा करने को प्राथमिकता दी। इस महान अवसर पर गलियारे में प्रवेश आरंभ कर सिख कौम को दिए गए उपहार के लिए समस्त खालसा पंथ उनका बहुत आभारी है।

आज देश के प्रधानमंत्री सिखों के प्रति अपने प्रेम व सम्मान और महान गुरुओं के प्रति असीम श्रद्धा को प्रकट करने के लिए हमारे बीच मौजूद हैं। 2014 में प्रधानमंत्री का पद संभालते ही उन्होंने ठोस निर्णय लिये और 1984 के अत्यंत दुखद और शर्मनाक त्रासदी के अपराधियों को न्याय के दायरे में लाने और उन्हें दंडित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी थी। राजनीतिक रूप से संरक्षण प्राप्त कई हत्यारों और अपराधियों को सलाखों के पीछे डाल दिया गया और कई कानून के दायरे में लाए जा रहे हैं। इसके अलावा, मोदी सरकार ने प्रत्येक पीड़ित परिवार को, जो करीब साढ़े तीन हजार के करीब हैं, को 5 लाख रुपये की राहत प्रदान की है।

पहले की सरकार में पंजाब के काले दिनों की आड़ में हजारों सिख प्रवासियों और उनके परिवारों को काली सूची में डालकर परेशान किया जाता था। श्री मोदी ने काली सूचियां समाप्त करने के आदेश जारी किए और सिख भाइयों के परिवारों को भारतीय वीजा जारी करने का फैसला किया, जो पंजाब में काले दिनों के दौरान सरकारी उत्पीड़न के कारण विदेश में शरणार्थी के रूप में रह रहे थे।

इस ऐतिहासिक अवसर और पंथ महाराज के पवित्र निशान को युगों-युगों तक लहराने के लिए भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र

मोदी की 2014 से अब तक की पहलों और कौम को लेकर उनकी रचनात्मक और गरिमापूर्ण मित्रवत सोच व भावनाओं का खालसा पंथ की सर्वोच्च प्रतिनिधि धार्मिक संसद शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) अत्यंत आदर करती है।

एसजीपीसी को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को सिख कौम की आन, शान और सम्मान के लिए किए गए उनके महत्वपूर्ण प्रयासों के मद्देनजर प्रतिष्ठित 'कौमी सेवा पुरस्कार' देते हुए गर्व और प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है।

विषय-सूची

1	श्री दरबार साहिब के लिए एफसीआरए पंजीकरण	1
2	कर-मुक्त लंगर	3
3	श्री करतारपुर साहिब गलियारा	5
4	श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व	11
5	श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का प्रचार	15
6	दुनिया भर में 550वां प्रकाश पर्व	17
7	श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व	23
8	श्री गुरु तेग बहादुर जी का 400वां प्रकाश पर्व	29
9	ब्लैकलिस्ट से नाम हटाना	31
10	3 दशक बाद इंसाफ	33
11	सिख विरासत पर गर्व	37
12	जलियांवाला बाग स्मारक	41
13	मुश्किल वक्त में मदद का हाथ	43
14	पाकिस्तान के सिखों के साथ समन्वय	47
15	जम्मू-कश्मीर में सिखों के अधिकार सुनिश्चित	51
16	एसजीपीसी चुनाव और सुधार	53
17	संयोजकता और संबंध	55
18	सिख युवाओं को सशक्त बनाना	59
19	पंजाब के विकास को रफ्तार	61

“श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की पवित्र शिक्षा पूरी दुनिया को प्रकाशमान करती हैं। इससे प्रेरित होकर, दुनियाभर में सिखों ने कई क्षेत्रों में अग्रणी सेवा की है। उनमें साहस और करुणा असाधारण है। श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी सदैव मानवता का मार्गदर्शन करते रहें।”

- नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सिखों के साथ विशेष लगाव को समुदाय और पवित्र गुरुओं के प्रति उनके व्यक्तिगत भाव के साथ-साथ सिख समुदाय को सशक्त बनाने के लिए किए गए उनकी सरकार के कार्यों में देखा जा सकता है। वह सिख गुरुओं का बहुत सम्मान करते हैं और उन्होंने हमेशा सिखों की बहादुरी, साहस और जज़्बे की सराहना की है। प्रधानमंत्री के इस तरह के भाव के साथ, इस बात में कोई आश्चर्य नहीं है कि सरकार ने सिखों के कल्याण के लिए कई संस्थागत कदम भी उठाए हैं।

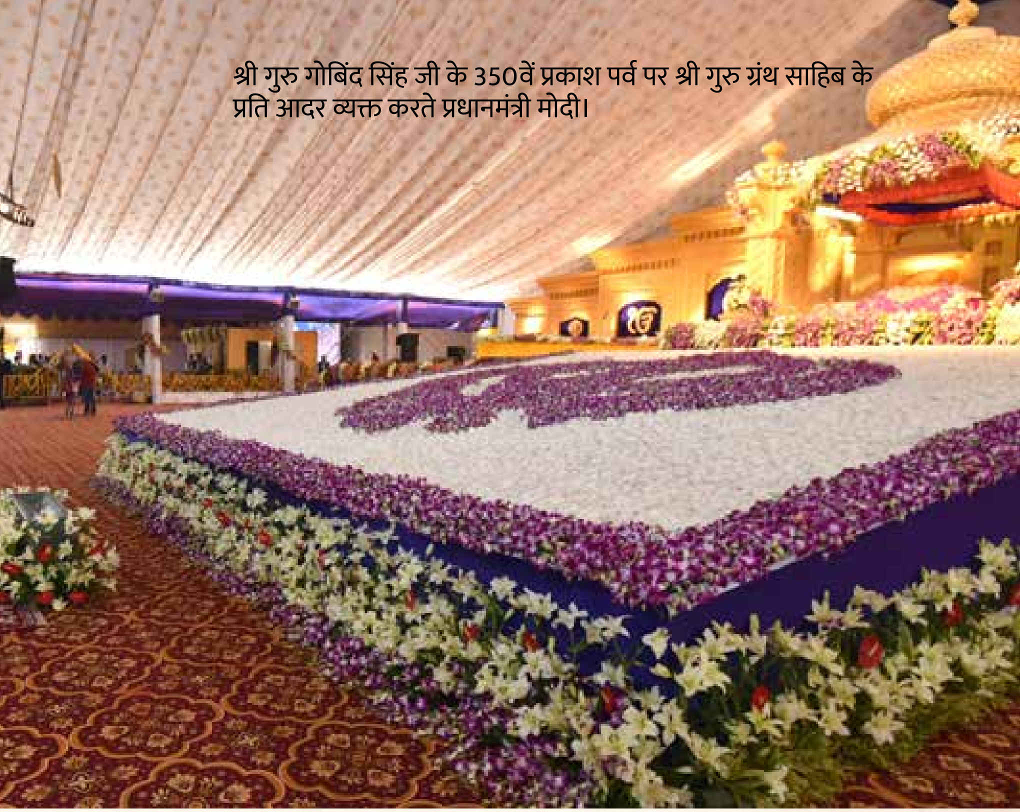

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व पर श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रति आदर व्यक्त करते प्रधानमंत्री मोदी।

चाहे श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं जयंती का पवित्र उत्सव हो या श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की 350वीं जयंती, 1984 दंगों के पीड़ितों को न्याय दिलाने की बात हो या फिर श्री करतारपुर साहिब गलियारे के निर्माण की, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने व्यक्तिगत रुचि दिखाई है और सिख समुदाय के लिए काम करने का मार्ग प्रशस्त किया है।

आइए, सिखों के कल्याण के लिए मोदी सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानते हैं।

> "श्री हरमंदिर साहिब, अमृतसर एक पवित्र स्थल है क्योंकि यह शांति और मानवतावाद का प्रतीक है।"

नरेन्द्र मोदी

सिख समुदाय के सदस्यों के साथ प्रधानमंत्री मोदी

1

श्री दरबार साहिब, अमृतसर के लिए एफसीआरए पंजीकरण

सिख सबसे ज्यादा वैश्वीकृत समुदायों में से हैं, जिनकी मौजूदगी और प्रभाव सभी महाद्वीपों में है। साथ ही वे अपनी जड़ों और भारत से भी गहराई से जुड़े हैं। श्री दरबार साहिब का प्रत्येक सिख के जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। श्री दरबार साहिब, अमृतसर के लिए कुछ करना, उन पवित्रतम सेवाओं में शामिल है जिनकी अपेक्षा गुरु साहिब किसी भी सिख से कर सकते हैं।

दशकों से दुनिया भर के सिखों की पुरजोर मांग के बावजूद श्री दरबार साहिब, अमृतसर को एफसीआरए पंजीकरण प्रदान नहीं किया गया था। इसके कारण संगत में बेहद निराशा थी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस समस्या को हल करने का संकल्प लिया। सितम्बर, 2020 में यह घोषणा की गई कि अब एफसीआरए पंजीकरण प्रदान कर दिया गया है।

अब दुनिया भर की संगत श्री दरबार साहिब, अमृतसर के साथ अपने संबंधों को प्रगाढ़ बना सकती है। अब वे हजारों मील दूर बैठकर भी सेवा में भाग ले सकते हैं।

> एक ओर श्री गुरु नानक देव जी ने सामाजिक दर्शन के जरिए समाज को एकता, भाईचारे और सौहार्द का मार्ग दिखाया; दूसरी ओर, उन्होंने समाज के समक्ष एक ऐसी आर्थिक प्रणाली प्रस्तुत की, जो सच्चाई, ईमानदारी और आत्मसम्मान पर आधारित थी। उन्होंने हमें सिखाया कि सच्चाई और ईमानदारी के जरिए हासिल किया गया विकास हमेशा तरक्की और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करता है।

नरेन्द्र मोदी

श्री हरमंदिर साहिब, अमृतसर में लंगर के दौरान प्रधानमंत्री मोदी

2

कर-मुक्त लंगर

लंगर की परम्परा श्री गुरु नानक देव जी के काल से चली आ रही है। यह दूसरों की मदद करने का सर्वोत्तम तरीका है। आज पूरे भारत में अनेक व्यक्ति और समुदाय लंगर सेवा में सहायता प्रदान करते हैं।

यह देखा गया कि लंगर की अनेक वस्तुओं पर जीएसटी लगा हुआ था। प्रमुख गुरुद्वारा समितियों, सिख प्रतिनिधिमंडलों, सिख नेताओं और दुनिया भर के सिखों ने इसे समाप्त करने के पुरजोर अनुरोध किए।

प्रधानमंत्री ने ऐसा फैसला लिया, जिससे अनेक लोगों को लाभ पहुंचा। 'सेवा भोज योजना' के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करने के जरिए लंगर की वस्तुओं पर लगाया गया जीएसटी भी समाप्त कर दिया।

लंगर में उपयोग में लाए जाने वाले खाद्य पदार्थों पर लगे केंद्रीय जीएसटी और आईजीएसटी को लौटाने के लिए 325 करोड़ रुपये की राशि का सालाना परिव्यय प्रदान किया गया। रोजाना एक करोड़ से अधिक लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराने वाले गुरुद्वारों को इस कदम से अपार लाभ प्राप्त होगा।

इस निर्णय की दुनिया भर में सराहना की गई। आखिरकार, दयालुता पर किसी तरह की कोई बंदिश नहीं होनी चाहिए, करुणापूर्ण कदमों की राह में कोई रुकावट नहीं होनी चाहिए।

> “श्री करतारपुर साहिब गलियारा लाखों श्रद्धालुओं और श्री गुरु नानक देव जी के बीच के रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाएगा। इस गलियारे का उद्‌घाटन करना मेरे लिए सम्मान की बात है”
>
> नरेन्द्र मोदी

श्री करतारपुर साहिब गलियारे के उद्‌घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी

3

श्री करतारपुर साहिब गलियारा

श्री करतारपुर साहिब जी सिखों के पवित्रतम स्थानों में से एक है। अनेक दशकों से भारत के सिख पाकिस्तान जाकर वहां प्रार्थना नहीं कर सकते थे। यह विभाजन से मिला एक ऐसा जख्म था, जो उन्हें लगातार कचोटता रहा। श्रद्धालु सरहद पर भारत की ओर खड़े होते थे और दूरबीन के जरिए श्री करतारपुर साहिब जी की झलक देखा करते थे !

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में एक ऐसा ऐतिहासिक कदम उठाया गया, जिसने सिखों का श्री करतारपुर साहिब जी में आसानी से प्रार्थना कर पाना सुनिश्चित कर दिया।

मोदी सरकार ने पंजाब के गुरदासपुर स्थित डेरा बाबा नानक से करतारपुर गलियारे के विकास पर कार्य किया और इस परियोजना के लिए 120 करोड़ रुपये की राशि भी आवंटित की।

प्रति दिन 15,000 से ज्यादा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यात्री टर्मिनल सहित अत्याधुनिक ढांचागत सुविधाओं का निर्माण किया गया। ।

नवम्बर, 2019 में प्रधानमंत्री स्वयं वहां गए और गलियारे का उद्‌घाटन किया। साथ ही साथ श्री करतारपुर साहिब जी जा रहे श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री करतारपुर साहिब गलियारे के उद्घाटन से पहले पंजाब के सुल्तानपुर लोधी स्थित श्री बेर साहिब गुरुद्वारे में श्रद्धा से शीश झुकाते हुए प्रधानमंत्री मोदी

श्री करतारपुर साहिब गलियारे में प्रधानमंत्री मोदी

करतारपुर साहिब गलियारे के उद्‌घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी श्री गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षा पर आधारित प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए ।

करतारपुर साहिब गलियारे के उद्घाटन के दौरान प्रधानमंत्री मोदी लंगर प्रसाद में भाग लेते हुए।

"श्री गुरु नानक देव जी ने हमें सच्चाई, नेकी और करुणा का मार्ग सिखाया। वह समाज से अन्याय और असमानता मिटाने के लिए प्रतिबद्ध थे।"

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री मोदी श्री करतारपुर साहिब गलियारे में यात्री टर्मिनल का निरीक्षण करते हुए ।

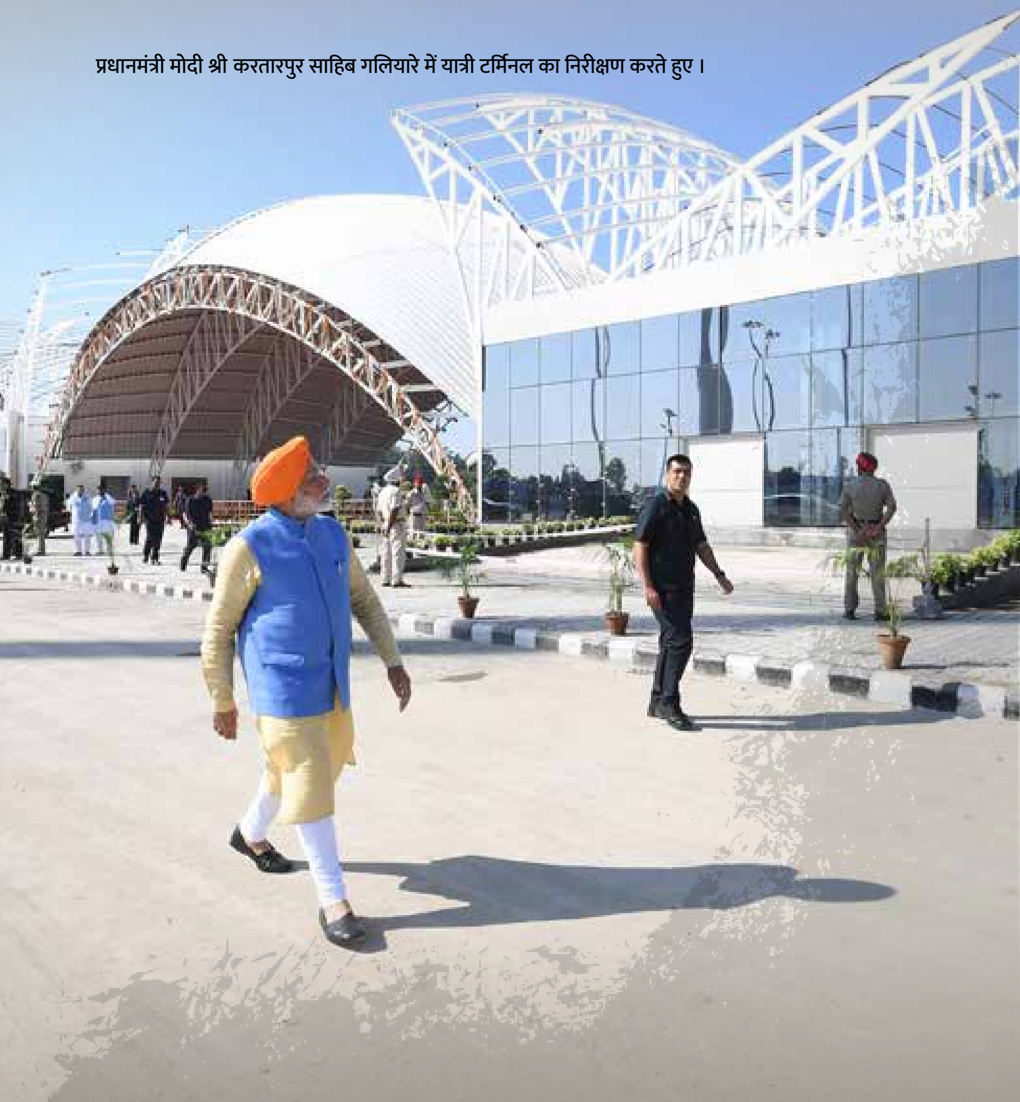

4

श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व

श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व भारत में बहुत उत्साह के साथ मनाया गया। विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों ने भी इस महत्वपूर्ण अवसर को भव्य तरीके से मनाने के लिए प्रवासी सिखों को एकत्र किया।

विविध प्रकार के ढांचागत सुधार किए गए और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया।

सुल्तानपुर लोधी को हैरिटेज सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। श्री गुरु नानक देव जी ने अपने जीवन का अधिकांश समय सुल्तानपुर लोधी में ही बिताया था। यह दुनिया भर के सिखों का ध्यान अपनी ओर आकृष्ट करेगा। वहां के रेलवे स्टेशन का भी आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

सप्ताह में पांच दिन के लिए श्री गुरु नानक देव जी से जुड़े स्थानों से होकर गुजरने वाली एक विशेष रेलगाड़ी शुरू की जा रही है।

वित्त मंत्रालय ने इस पावन अवसर पर सोने और चांदी के सिक्के जारी किए हैं।

नेशनल बुक ट्रस्ट ने श्री गुरु नानक देव जी के संदेश का प्रसार करने के लिए पंजाबी में तीन पुस्तकें जारी की हैं – गुरु नानक बाणी, नानक बाणी और साखियां गुरु नानक देव।

पंजाब के सुल्तानपुर लोधी स्थित श्री बेर साहिब गुरुद्वारे में प्रधानमंत्री मोदी

इतना ही नहीं, गुरु नानक बाणी उर्दू, उड़िया, मराठी, हिंदी और गुजराती में प्रकाशित की गई। उसे 15 अन्य भारतीय भाषाओं में प्रकाशित करने का कार्य प्रगति पर है।

ये कदम युवाओं और श्री गुरु नानक देव जी के उत्तम सिद्धांतों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ बनाएंगे।

> श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी हमें सेवा, करुणा का पाठ पढ़ाते हैं और समरसता को बढ़ावा देते हैं। वह न्यायसंगत और समकक्ष समाज का मार्ग प्रशस्त करते हैं। वह हमें यह भी सिखाते हैं कि अन्याय के सामने कभी घुटने मत टेको।
>
> – नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री मोदी खालसा कॉलेज, अमृतसर की गवर्निंग काउंसिल के सदस्यों से स्मृति चिह्न प्राप्त करते हुए।

5

श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षा का प्रचार

श्री गुरु नानक देव जी के महान विचारों का दूर-दूर तक प्रसार किया जाना बहुत महत्वपूर्ण है। उनके उत्कृष्ट मार्ग का अनुसरण करने से निश्चित रूप से बेहतर विश्व का निर्माण होगा।

इस प्रयास के तहत गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंटर-फेथ स्टडीज की स्थापना की जा रही है। इससे धर्मों के बीच समरसता को और भी बढ़ावा मिलेगा। इससे श्री गुरु नानक देव जी से संबंधित छात्रवृत्ति को भी बल मिलेगा।

इसी तरह, ब्रिटेन के एक विश्वविद्यालय में श्री गुरु नानक देव जी पर एक पीठ की स्थापना भी की जाएगी।

कनाडा में भी इसी तरह की पीठ की स्थापना किए जाने पर चर्चा की जा रही है। प्रवासी भारतीय, विशेषकर भावी पीढ़ी इससे लाभांवित होगी।

> श्री गुरु नानक देव जी से लेकर श्री गुरु गोबिंद सिंह जी तक, प्रत्येक गुरु साहिब ने भारत की एकता, सुरक्षा और रक्षा की खातिर अथक प्रयास किए हैं, अनेक कुर्बानियां दी हैं। सिख साथियों द्वारा इसी परम्परा का निर्वहन आजादी की लड़ाई और स्वतंत्र भारत की रक्षा में पूरे जोश के साथ किया जाता रहा है।

– नरेन्द्र मोदी

वेंकूवर, कनाडा के ऐतिहासिक गुरुद्वारे खालसा दीवान में प्रधानमंत्री मोदी

6

दुनिया भर में 550वां प्रकाश पर्व

श्री गुरु नानक देव जी का 550वां प्रकाश पर्व एक वैश्विक उत्सव के रूप में मनाया गया। विविध कार्यक्रमों का आयोजन केवल भारत के कोने-कोने में ही नहीं किया गया, बल्कि अमरीका, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी और अन्य देशों में भी विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

आईसीसीआर, नई दिल्ली में श्री गुरु नानक देव जी के जीवन और शिक्षा पर एक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षा सभी को सुलभ कराने के लिए गुरबाणी का विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रकाशन किया जा रहा है।

भारत सरकार की अपील पर, यूनेस्को उनके लेखन को विदेशी भाषाओं में प्रकाशित करने की दिशा में कदम उठा रहा है।

ब्रिटेन में संगोष्ठियों, प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया, स्मारक टिकटों का वितरण किया गया, यूनिवर्सिटी ऑफ वॉल्वरहैम्टन और यूनिवर्सिटी ऑफ बर्मिंघम जैसे विभिन्न विश्वविद्यालयों में पीठों की स्थापना की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी श्री गुरु नानक देव जी की 550वीं वर्षगांठ पर स्मारक सिक्का जारी करते हुए।

प्रतिष्ठित बर्मिंघम शहर में भव्य समापन समारोह का आयोजन किया गया। साउथ एशिया सेंटर के सहयोग से लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (एलएसई) में सिख धर्म और श्री गुरु नानक देव जी पर विशेष व्याख्यानों की श्रृंखला का आयोजन किया गया।

अमरीका में, शबद कीर्तन, गुरबाणी संगीत का व्यापक पैमाने पर आयोजन किया गया।

कैपिटोल हिल में श्री गुरु नानक देव जी के जीवन पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

स्मिथसोनियन म्यूजियम, गुरु अंगद इंस्टीट्यूट ऑफ सिख स्टडीज और सिख गुरुद्वारों/संगठनों के सहयोग से श्री गुरु नानक देव जी और सिख पुरावशेषों पर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

कनाडा में भी इतने ही बड़े पैमाने पर और विविधतापूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विश्व पंजाबी सम्मेलन का भी आयोजन किया गया।

उल्लेखनीय बात यह रही कि इन कार्यक्रमों में युवाओं ने बड़ी तादाद में हिस्सा लिया।

ह्यूस्टन में 21 सितम्बर, 2019 को सिख समुदाय ने “हाउडी मोदी” कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री को सम्मानित किया।

तेहरान में 2016 में भाई गंगा सिंह सभा गुरुद्वारे में प्रधानमंत्री मोदी को सिरोपा और कृपाण भेंट की गई।

“श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का पूरा जीवन लोगों की सेवा करने तथा सच्चाई, न्याय और करुणा के लिए संघर्ष करने के प्रति समर्पित रहा।”

– नरेन्द्र मोदी

गुरुद्वारा पटना साहिब में श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की 350वीं जयंती के समारोह में प्रधानमंत्री मोदी

7

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व

भारत में 2016-2017 के दौरान श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का 350वां प्रकाश पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया गया। प्रधानमंत्री मोदी आधिकारिक उत्सव में भाग लेने के लिए पटना गए। श्री गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म पटना में ही हुआ था।

इस अवसर पर 350 रुपये का स्मारक सिक्का और श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रति श्रद्धांजलि के रूप में स्मारक डाक टिकट भी जारी किए गए।

इस अवसर का उपयोग सिख धर्म के प्रमुख पवित्र स्थानों से संबंधित बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाने पर भी किया गया।

श्री अकाल तख्त, श्री दमदमा साहिब, श्री केशगढ़ साहिब, श्री पटना साहिब और श्री हजूर साहिब के बीच सम्पर्क में सुधार लाया गया।

अमृतसर से नांदेड़ जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष उड़ान शुरू की गई।

प्रधानमंत्री मोदी ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की याद में जामनगर में 750 बिस्तरों वाले एक अस्पताल का भी उद्घाटन किया।

प्रधानमंत्री मोदी जामनगर, गुजरात में श्री गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल का उद्घाटन करते हुए।

भारतीय रेल ने श्री गुरु गोबिंद सिंह जी से जुड़े प्रमुख स्थानों में श्रद्धालुओं और यात्रियों के लिए सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए लगभग 50 करोड़ रुपये की राशि खर्च की है।

श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के आदर्शों को और भी लोकप्रिय बनाने तथा गुरुओं और संगत की दृष्टि के बीच संबंध को प्रगाढ़ बनाने की दिशा में ये कदम बहुत उपयोगी रहे।

प्रधानमंत्री मोदी पटना, बिहार में 05 जनवरी, 2017 को श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व के अवसर पर स्मारक डाक टिकट जारी करते हुए।

प्रधानमंत्री मोदी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व के अवसर पर स्मारक सिक्का जारी करते हुए।

प्रधानमंत्री मोदी श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के 350वें प्रकाश पर्व के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए।

Narendra Modi
@narendramodi

"श्री गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस पर हम उनको नमन करते हैं। श्रद्धेय सिख गुरुओं के महान विचारों से प्रेरणा लेकर गुरु तेग बहादुर जी समरसता और शांति के लिए प्रतिबद्ध रहे। अन्याय के खिलाफ संघर्ष में वह सबसे आगे रहे और उन्होंने अपने मूलभूत मूल्यों पर कभी समझौता नहीं किया।" – नरेन्द्र मोदी

गृह मंत्रालय
(आंतरिक सुरक्षा - I प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली 24 अक्टूबर, 2020

एफ. नं. 17014/13/2020-IS-VII .— श्री गुरु तेग बहादुर जी की 400वीं जयंती उपयुक्त रीति से मनाने के लिए भारत सरकार की ओर से एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है जो निम्नलिखित है :

अध्यक्ष

1.	श्री नरेन्द्र मोदी	भारत के प्रधानमंत्री
	सदस्य	
2.	श्री ओम बिरला	लोकसभाध्यक्ष
3.	डॉ. मनमोहन सिंह	पूर्व प्रधानमंत्री
4.	श्री राजनाथ सिंह	रक्षा मंत्री
5.	श्री अमित शाह	गृह मंत्री
6.	श्री नितिन गडकरी	सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री और सूक्ष्म, लघु एवं मझौले उद्यम मंत्री
7.	श्री डी वी सदानंद गौड़ा	रसायन एवं उर्वरक मंत्री
8.	श्रीमती निर्मला सीतारमण	वित्त मंत्री और कार्पोरेट कार्य मंत्री

8

श्री गुरू तेग बहादुर जी के 400वां प्रकाश पर्व

श्री गुरू तेग बहादुर जी करुणा और बहादुरी के प्रतीक हैं। वह अपने धर्म की रक्षा की खातिर उठ खड़े हुए, किसी भी तरह की कीमत चुकाने की परवाह नहीं की।

उनके विचार और आदर्श मोदी सरकार की न्याय और सबका विकास संबंधी दृष्टि के केंद्र में हैं।

400वां प्रकाश पर्व देश और विदेश में अप्रैल 2020 से अप्रैल 2021 तक भव्य पैमाने पर मनाया जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की अगुवाई में 70 सदस्यीय समिति इसके कार्यान्वयन की समीक्षा कर रही है। इनमें 11 राज्यों के मुख्यमंत्री, सांसद और विख्यात सिख हस्तियां शामिल हैं।

कई वर्षों से कुछ लोगों को भारत आने पर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ब्लैक लिस्ट से नाम हटाने के साथ ही अनेक परिवार अब वीजा और ओसीआई कार्ड के लिए आवेदन कर सकेंगे। वे भारत में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से आसानी से मुलाकात कर सकेंगे और यहां अपने गुरुओं के स्थानों का दौरा करके वहां अरदास करने में समर्थ हो सकेंगे।

– नरेन्द्र मोदी

सिख शिष्टमंडल ने, जिसमें सिख काउंसिल, निष्काम सेवक जत्था, ब्रिटेन के प्रमुख गुरुद्वारों के प्रतिनिधि, काउंसलर्स, समुदाय, धर्मार्थ, स्वंयसेवी समूहों के प्रतिनिधि और प्रमुख व्यापारी शामिल थे, 2015 में प्रधानमंत्री की लंदन यात्रा के दौरान उनसे मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान अन्य मामलों के अलावा 'ब्लैकलिस्ट" से लोगों को हटाने का मामला उठाया गया। मोदी सरकार ने फौरन यह कार्य कर दिया।

9

ब्लैकलिस्ट से नाम हटाना

दशकों से विदेशों में रहने वाले कुछ सिखों के लिए भारत में अपने घर आने के लिए वीजा प्राप्त करना मुश्किल था।

इसका कारण यह था कि उनके नाम 'ब्लैकलिस्ट" या केंद्रीय प्रतिकूल सूची में थे, जिसमें अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा और कुछ अन्य देशों में रहने वाले सिखों के नाम शामिल किए गए थे।

इनमें से कुछ लोग बहुत बूढ़े हो चुके थे और भारत में अपने घर तथा अपने संबंधियों के घर जाना चाहते थे, लेकिन कई वर्षों से ऐसा कर नहीं पा रहे थे।

मोदी सरकार ने दिल को छू लेने वाला भाव प्रदर्शित करते हुए 314 नामों वाली ब्लैकलिस्ट में से 312 नामों को हटा दिया।

ब्लैकलिस्ट से नाम हटने से इन सभी लोगों को अपने परिवारों से मुलाकात करने, भारतीय वीजा और ओआईसी कार्ड प्राप्त करने तथा अपनी जड़ों से दोबारा जुड़ने में मदद मिलेगी।

वे भारत में पवित्र स्थलों की भी यात्रा कर सकते हैं और आशीर्वाद प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे अभी तक वंचित थे।

हजारों लोग मौत के घाट उतार दिए गए और जिंदा जला दिए गए, परिवार तबाह हो गए और इसके बावजूद कुछ लोग ढिठाई के साथ इस बारे में बात कर रहे हैं। 1984 में जो कुछ भी हुआ, उसने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। आपके इस चौकीदार ने आपको इंसाफ दिलाने का वादा किया था। मैंने आपसे वादा किया था कि मैं आपको इंसाफ दिलाने के लिए लड़ूंगा। आज मैं संतोष के साथ कह सकता हूं कि एक अपराधी को मृत्यु दंड और शेष को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है और जो बच गए हैं, वे ज्यादा समय तक सलाखों से बाहर नहीं रह पाएंगे।

\- नरेन्द्र मोदी

10

3 दशक बाद इंसाफ

1984 में सिखों के खिलाफ शुरू की गई राजनीतिक हिंसा भारतीय इतिहास का एक काला अध्याय है। चौंकाने वाली बात यह है कि राजनीतिक तत्वों के साथ निकटता होने के कारण इसके अपराधी तीन दशकों तक इंसाफ से बचते रहे, जबकि पीड़ित तकलीफें उठाते रहे।

मोदी सरकार ने इसका रुख मोड़ दिया। उन्होंने हिंसा के दोषियों को दंडित किया, पीड़ितों को मुआवजा और सहायता प्रदान की गई।

सरकार ने सिखों को इंसाफ दिलाने हेतु उस दिशा में कार्य करना सुनिश्चित किया, इसके तहत उन्होंने 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामलों की जांच का दायरा बढ़ाया और विशेष जांच दल (एसआईटी) को उन सभी मामलों को दोबारा खोलने में सक्षम बनाया, जिनकी जांच पूरी हो चुकी थी और आरोपियों को बरी किया जा चुका था।

दोषियों को दंडित करना

लगभग 30 बरसों तक 1984 के सिख विरोधी दंगों के अपराधियों को कुछ निहित स्वार्थी लोगों का संरक्षण प्राप्त होता रहा।

मोदी सरकार द्वारा गठित की गई एसआईटी की ओर से नए सिरे से जांच की गई, उसने लगभग 300 मामलों को दोबारा

1984 के दंगा पीड़ितों के साथ मुलाकात करते हुए प्रधानमंत्री मोदी

खोला गया और उनमें से अनेक में आरोप पत्र दाखिल किए गए।

पुनर्वास योजना के तहत प्रत्येक परिवार को दो लाख रुपये प्रदान किए गए।

वे राजनीतिक हस्तियां जो बचती आ रही थीं, एसआईटी के गठन के तीन साल के भीतर ही इंसाफ की गिरफ्त में आ गईं। 2014 से पहले किसी ने कल्पना तक नहीं की थी कि ऐसे राजनीतिज्ञ कभी दोषी ठहराए जा सकेंगे।

एसआईटी की जांच से 2 लोग दोषी करार पाए गए, जिसके तहत यशपाल सिंह को मृत्यु दंड और नरेश सहरावत को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई।

2018 में सीबीआई ने अपनी जांच में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई और वह इस समय जेल में हैं।

अखिल भारतीय स्तर पर पीड़ितों को मुआवजा दिया गया

दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और जम्मू-कश्मीर में 1984 के दंगों के मामलों में 3,328 पीड़ितों के प्रत्येक परिवार को 5 लाख रुपये का अतिरिक्त मुआवजा प्रदान किया गया।

अकेले दिल्ली में ही 1,320 परिवारों को 125.52 करोड़ रुपये मूल्य का मुआवजा प्रदान किया गया।

अन्य राज्यों से प्रवासित होकर पंजाब में आने वाले दंगा पीड़ित 1,020 परिवारों में से प्रत्येक को पुनर्वास योजना के तहत दो-दो लाख रुपये की राशि प्रदान की गई।

> श्री गुरु नानक देव जी केवल सिख धर्म और भारत की ही विरासत नहीं हैं, बल्कि समूची मानव जाति के लिए प्रेरणा भी हैं। श्री गुरु नानक देव जी शिक्षक होने के अतिरिक्त, एक विचार और जीवन का आधार हैं।

- नरेन्द्र मोदी

श्री हरमंदिर साहिब, अमृतसर में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी के साथ प्रधानमंत्री मोदी

11

सिख विरासत पर गर्व

प्रधानमंत्री मोदी को पंजाब और सिखों की समृद्ध विरासत पर बेहद गर्व है। वह और उनकी सरकार भारत और विदेश में इस संस्कृति की खूबसूरती को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर रही है।

कुछ देशों में सिखों को पगड़ी पहनने या दाढ़ी बढ़ाने के लिए छूट लेने की जरूरत पड़ती है। ऐसे मामलों में अक्सर भारतीय मिशन यह प्रमाणित करते हुए भारतीय सिखों को पत्र जारी करता है कि पगड़ी पहनना और दाढ़ी बढ़ाना सिखों के लिए धार्मिक आवश्यकता है। इससे उन्हें उन देशों में रियायत हासिल करने में मदद मिलती है जहां पगड़ी पहनने या दाढ़ी बढ़ाने की कुछ नियोक्ताओं द्वारा अनुमति नहीं दी जाती है।

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी को उनकी आधिकारिक यात्रा के दौरान अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब ले जाया गया। यह न केवल दोस्ती का एक संकेत था, बल्कि इस लिहाज से भी महत्वपूर्ण था कि कई सिख अफगानिस्तान में रहते हैं।

सरकार विदेश में कुछ पुराने गुरुद्वारों के नवीनीकरण और मरम्मत के लिए वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है।

श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश उत्सव की याद में सिक्का जारी करने के बाद सिख समुदाय के लोगों के साथ बातचीत करते प्रधानमंत्री मोदी

इसके अलावा मोदी सरकार सिखों के धरोहर को लोगों के सामने लाने के लिए पर्यटन को बढ़ावा देने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। उदाहरण के लिए, स्वदेश दर्शन योजना के तहत आनंदपुर साहिब - फतेहगढ़ साहिब - चमकौर साहिब - फिरोजपुर - अमृतसर - खाटकर कलां - कलानौर - पटियाला हेरिटेज सर्किट का विकास।

श्री गुरु नानक देव जी की 550 वीं जयंती के अवसर पर महाराष्ट्र के नांदेड़ में एक 'मल्टीमीडिया प्रदर्शनी' का आयोजन किया गया, जिसे काफी सराहना मिली।

“जब हम भयावह जलियांवाला बाग नरसंहार के 100 वर्ष पूरे होने पर गौर करते हैं तो भारत उस दु:खद दिन को शहीद हुए सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता है। उनके साहस और बलिदान को कभी भुलाया नहीं जा सकेगा। उनकी स्मृति हमें एक ऐसे भारत के निर्माण के लिए कहीं अधिक परिश्रम करने के लिए प्रेरित करती है जिस पर उन्हें गर्व होगा।”

- नरेन्द्र मोदी

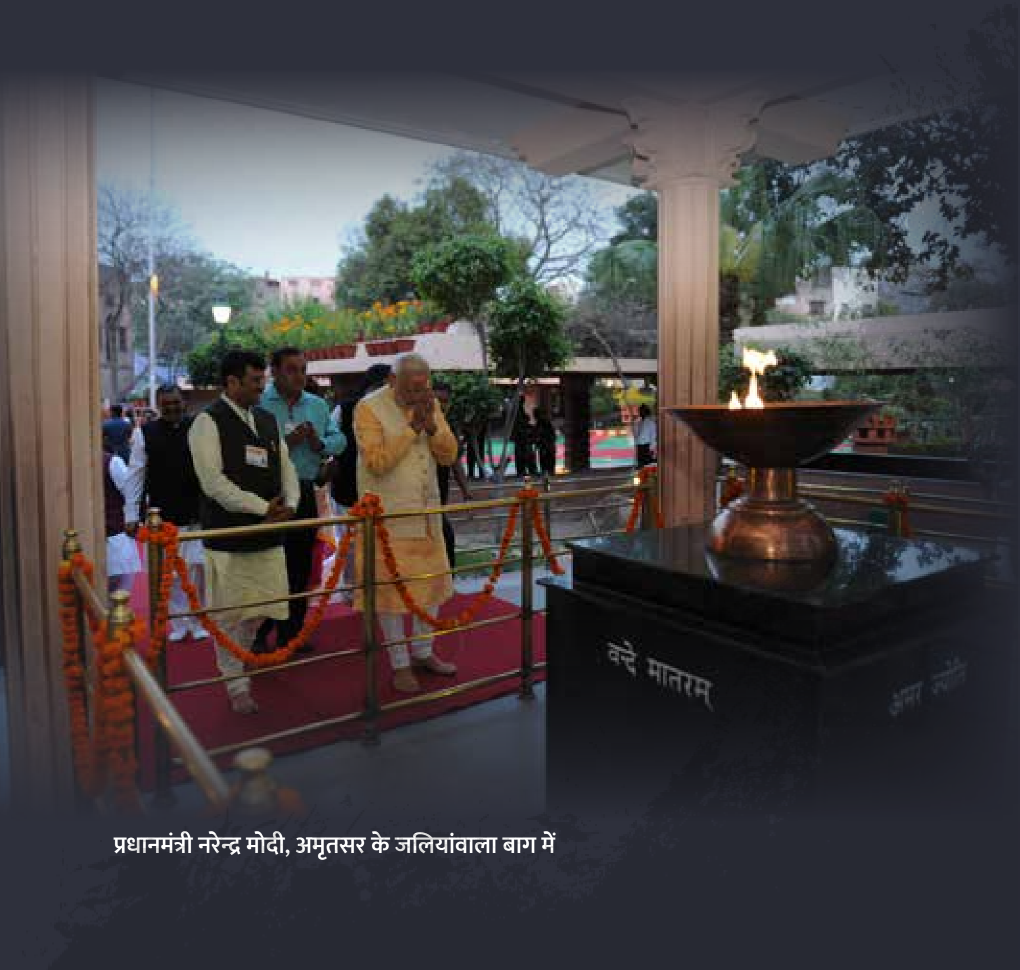

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमृतसर के जलियांवाला बाग में

12

जलियांवाला बाग स्मारक

जलियांवाला बाग नरसंहार भारत के इतिहास की एक बेहद दुखद घटना है।

पंजाब स्वतंत्रता संग्राम का एक प्रमुख केंद्र था। इस घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया और औपनिवेशिक क्रूरता की ओर सभी का ध्यान आकर्षित किया।

मोदी सरकार इस घटना में महान बलिदान देने वालों को उचित श्रद्धांजलि देने के लिए जलियांवाला बाग राष्ट्रीय स्मारक (संशोधन) विधेयक, 2019 लेकर आई ताकि राष्ट्रीय स्मारक का निर्माण किया जा सके।

इस घटना के 100 साल पूरे होने पर शहीदों के बलिदान के प्रति आदर व्यक्त करने के लिए लोकसभा ने इस विधेयक को पारित किया।

इससे इस स्मारक से सम्बद्ध ट्रस्ट के कामकाज में सुधार आने और इसे एक अराजनैतिक संस्था का स्वरूप मिलने की उम्मीद है।

"सिख भाइयों और बहनों को भी नागरिकता संशोधन अधिनियम से काफी लाभ मिलेगा। वे आसानी से भारत की नागरिकता प्राप्त कर सकेंगे।"

- नरेन्द्र मोदी

मोदी सरकार के प्रयासों से अफगानिस्तान से भारत लौटे सिख

13

मुश्किल वक्त में मदद का हाथ

भले ही सिख दुनिया में कहीं भी रहते हों, लेकिन मोदी सरकार हमेशा उनके हित, सुरक्षा और रक्षा के लिए तत्पर रहती है।

अफगानिस्तान में जब कभी आतंकवादियों द्वारा सिखों को निशाना बनाया गया तो भारत ने अल्पसंख्यक समुदाय को निशाना बनाकर की गई ऐसी कायरतापूर्ण हिंसा की कड़ी निंदा की।

मोदी सरकार केवल निंदा ही नहीं करती बल्कि कार्रवाई के लिए भी प्रतिबद्ध है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे पड़ोसी देशों के सताए गए सिख भारत में शरण ले सकते हैं और नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं।

सरकार ने जुलाई और सितंबर 2020 के बीच अफगानिस्तान से 230 सिख परिवारों की वापसी सुनिश्चित की।

मोदी सरकार भारत आने वाले ऐसे लोगों के परिवारों का काफी सहयोग और संवेदनशीलता के साथ ध्यान रख रही है। कोविड वैश्विक महामारी के दौरान वापसी के लिए काबुल- दिल्ली-काबुल मार्ग पर उड़ानों के लिए हवाई किराये पर विशेष रियायत की व्यवस्था की गई थी।

मोदी सरकार के प्रयासों से अफगानिस्तान से भारत लौटे सिख

सीएए के कारण इन सभी परिवारों को भारतीय नागरिक के रूप में पूर्ण अधिकार प्राप्त होंगे। लेकिन जरूरतें केवल नागरिकता पर ही खत्म नहीं होती हैं।

अफगानिस्तान के सिख परिवारों के बच्चों के लिए अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा सुनिश्चित करने से उनका भविष्य सुरक्षित होगा। इसलिए मोदी सरकार उनके बच्चों को भारत में अध्ययन करने के लिए छात्रवृत्ति भी उपलब्ध करा रही है।

काबुल में गुरुद्वारों को मौद्रिक सहायता भी प्रदान की जा रही है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि जो लोग अफगानिस्तान में रह रहे हैं, उनका भी ध्यान रखा जाए।

"सिंधु जल संधि के तहत सतलज, व्यास और रावी के पानी पर भारत का अधिकार है। यह अधिकार वास्तव में मेरे किसान भाइयों का है। वह पानी आपके खेत में नहीं आ रहा है बल्कि पाकिस्तान से गुज़रने के बाद समुद्र में चला जाता है। न तो पाकिस्तान उसका उपयोग करता है और न ही इससे भारत के किसानों को फायदा होता है। मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए एक टास्क फोर्स बनाया है ताकि सिंधु जल संधि के अनुसार पानी के हिस्से को अलग करते हुए उसका पूरी तरह से उपयोग किया जा सके अन्यथा वह पाकिस्तान में बह रहा था। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं कि वह पानी पंजाब और जम्मू-कश्मीर के किसानों तक पहुंचे।"

- नरेन्द्र मोदी

THE NEW INDIAN EXPRESS

India has asked Pakistan to ensure minority communities' security: MEA on Sikh girl's abduction

Published: 25th September 2020 12:02 AM

FINANCIAL EXPRESS
Read to Lead

India lodges protest with Pakistan over abduction of Sikh girl

By: PTI | September 21, 2020 11:31 PM

14

पाकिस्तान के सिखों के साथ समन्वय

पाकिस्तान में रहने वाले सिख समुदाय के लोग बहादुर हैं और वे महान गुरुओं की स्मृति के प्रति समर्पित हैं।

धमकी, हिंसा और उत्पीड़न का सामना करने के बावजूद वे अपने आदर्शों का दृढ़तापूर्वक पालन करते हैं और अपने सिर को ऊंचा रखते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी पाकिस्तान में मौजूद सिख धर्म के पवित्र स्थानों की सुरक्षा करने के साथ-साथ पाकिस्तान में रहने वाले सिखों को विभिन्न तरीकों से मजबूत बनाने में विश्वास करते हैं जिनमें उनकी रक्षा एवं सुरक्षा के लिए भारत की आवाज उठाना भी शामिल है।

पाकिस्तान में रहने वाले सिखों की रक्षा एवं सुरक्षा

भाई तारू सिंह जी एक प्रेरणादायक शख्सियत हैं। गुरुओं द्वारा दिए गए उपदेशों के मूल्यों और उनके परम बलिदान के प्रति उनकी भक्ति काफी दृढ़ है।

लाहौर में उनकी शहादत का स्थान गुरुद्वारा 'शहीदी स्थान' को बदलने की मांग की गई थी। भारत ने इस पर आपत्ति जताई। भारत ने पाकिस्तान में सिख धरोहरों और पवित्र स्थलों को नष्ट करने के खिलाफ भी आवाज उठाई है।

ENSURE SAFETY OF
GIRLS IN
AKISTAN
पाकिस्तान
सिख लड़कियों की
सुरक्षा सुनिश्चित करे
PERSECUTION
SIKH IN PAKISTAN
पाक नहीं
नापाक है
पाकिस्तान
SECUTION

ORCEFUL CONVERSION
ORITIES IN PAKISTAN

पाकिस्तान में न केवल सिख स्थलों को निशाना बनाया गया है बल्कि सिख समुदाय के लोगों को भी अक्सर परेशान किया जाता है।

नाबालिग सिख लड़कियों के अपहरण और जबरन शादी, सिखों का जबरन धर्म परिवर्तन, लक्षित हत्याओं और हिंसक हमलों के बारे में अक्सर सुना गया है। भारत ने ऐसे मुद्दों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाया है।

पड़ोसी देशों में सताए गए सिखों को नागरिकता देने के लिए भारत ने नागरिकता संशोधन अधिनियम पहले ही पारित कर दिया है।

पाकिस्तान में सिख धरोहर की सुरक्षा

भारत की काफी समय से लंबित मांग को स्वीकार करने के लिए पाकिस्तान पर दबाव बनाया गया और अक्टूबर 2019 में करतारपुर साहिब कॉरिडोर के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री मोदी ने नवंबर 2019 में श्री गुरुनानक देव जी की 550वीं जयंती के अवसर पर करतारपुर साहिब कॉरिडोर का उद्‌घाटन किया। इससे करतारपुर साहिब जाने की इच्छा रखने वाले भारत के लाखों सिखों का सपना पूरा हुआ।

पाकिस्तान में स्थित कई सिख धार्मिक एवं तीर्थ स्थलों को वर्ष 1974 में पाकिस्तान के साथ हस्ताक्षर किए गए द्विपक्षीय प्रोटोकॉल में शामिल किया गया है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि उनके रखरखाव की निगरानी की जाएगी।

कोविड-19 वैश्विक महामारी संबंधी पाबंदियों के बावजूद मोदी सरकार ने श्री गुरुनानक देव जी की 551वीं जयंती के अवसर पर सिख जत्थे को गुरुद्वारा ननकाना साहिब जाने की सुविधा प्रदान की।

धारा 370 हटने के साथ ही जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में रहने वाले सिख परिवारों को अब वही अधिकार मिलेंगे जो उन्हें शेष भारत में मिलते हैं। अब तक हजारों परिवार ऐसे थे जो कई अधिकारों से वंचित थे।

- नरेन्द्र मोदी

THE ECONOMIC TIMES

DDC polls: West Pakistan refugees outside booths in Jammu say justice done after 70 years of struggle

Synopsis

With the abrogation of Article 370, several communities like West Pakistan refugees, Valmikis and Gurkhas are now eligible to vote in local elections, purchase land and apply for jobs in Jammu and Kashmir, and besides these, they can also contest elections.

15 जम्मू-कश्मीर में सिखों के अधिकार सुरक्षित

सिख समुदाय की कई मांग काफी समय से लंबित थी, जैसे जम्मू-कश्मीर में समान अधिकार आदि।

विभाजन के बाद शरणार्थी के रूप में जम्मू-कश्मीर में आए सिखों को धारा 370 के कारण कई अधिकारों से वंचित कर दिया गया था। हालांकि सभी जानते थे कि वे अपने अधिकारों से वंचित हैं लेकिन स्थिति में बदलाव के लिए कोई तैयार नहीं था।

प्रधानमंत्री मोदी ने कई ऐसे दीर्घकालिक मुद्दों के समाधान के लिए व्यक्तिगत दिलचस्पी दिखाई।

धारा 370 के खिलाफ मोदी सरकार की साहसिक और निर्णायक पहल से जम्मू-कश्मीर में सिख अल्पसंख्यक को समान अधिकार प्राप्त हुए हैं।

पाकिस्तान से (विभाजन के बाद) जम्मू-कश्मीर आने वाले 1.16 लाख सिख शरणार्थियों को अब भारत के अन्य नागरिक की तरह आवास एवं मतदान के अधिकार मिलेंगे। वे दशकों तक इन अधिकारों से वंचित रहे।

इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के सिख यदि बाहर के सिखों से शादी करते थे तो उन्हें आशंका रहती थी कि धारा 370 के भेदभावपूर्ण व्यवस्था के कारण कहीं उन्हें संपत्ति के अधिकारों को न खोना पड़े। लेकिन अब उन्हें इससे डरने की जरूरत नहीं है और वे देश के अन्य हिस्सों में रहने वाले सिखों के साथ अपने रिश्ते को मजबूत कर सकते हैं।

"गर्व से भरा पंजाब भारत को गौरवान्वित करता है। भारत में ऐसा कोई नहीं है जिसने पंजाब में पैदा होने वाला गेहूं न खाया हो। यह दाताओं की भूमि है और जब भी भारत की सेवा करने की आवश्यकता हुई है पंजाब मजबूती से खड़ा हुआ है। जब कभी जरूरत पड़ी, तो पंजाब ने देश के लिए सफल उदाहरण पेश करने का कोई अवसर नहीं छोड़ा।"

- नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री मोदी श्री गुरुनानक देव जी के 550वें प्रकाश उत्सव पर खास स्मारक सिक्का जारी करने के बाद सिख समुदाय के लोगों से बातचीत करते हुए

16

एसजीपीसी चुनाव और सुधार

सिख दर्शन लोगों को उच्चतम आदर्शों के लिए प्रेरित करता है। यह स्पष्ट है कि केवल उन्हीं लोगों को जो सिख रहत मर्यादा के अनुरूप हैं, एसजीपीसी चुनाव में निर्वाचक बनने की अनुमति दी जानी चाहिए।

कानून में यह निहित हो, इसे सुनिश्चित करने की मांग की गई थी। मोदी सरकार ने इस मांग पर तुरंत जवाब दिया।

एसजीपीसी चुनावों में भागीदारी के संबंध में मांग को संबोधित करते हुए, सरकार द्वारा सिख गुरुद्वारा (संशोधन) अधिनियम 2016 संशोधित किया गया।

सिख रहत मर्यादा के अनुरूप जो लोग अपनी दाढ़ी (केश) को काटते या छाँटते हैं, धूम्रपान या शराब का सेवन करते हैं, एसजीपीसी चुनाव में मतदाता के रुप में पंजीकृत नहीं किए जा सकते हैं।

हाल ही में मोदी सरकार ने नए एसजीपीसी के चुनावों का मार्ग प्रशस्त करते हुए गुरुद्वारा चुनावों के लिये मुख्य आयुक्त के रूप में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एस एस सरोन को नियुक्त किया है।

“ आपको सिखों द्वारा किए गए बलिदानों की कई कहानियां मिलेंगी। उन्होंने हमारे राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी है। वे भारत की रक्षा के लिए अपना खून बहा रहे थे, और आज़ादी के बाद उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कोई भी भारतीय भूखा न रहे। ”

- नरेन्द्र मोदी

सितंबर 2015 में अमेरिका के सैन जोस में एक सिख समुदाय के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात के दौरान प्रधानमंत्री मोदी

17

संयोजकता और संबंध

प्रधानमंत्री मोदी का सिख समुदाय से गहरा संबंध है। यह उनके कई कार्यों में देखा जाता है, जिसमें उन्होंने संयोजकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ दुनिया भर में सिख प्रवासियों के साथ संबंध मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

मोदी सरकार ने अमृतसर से लंदन और अमृतसर से दिल्ली होते हुए बर्मिंघम के लिए एयर इंडिया की सीधी उड़ानें शुरू की है। अमृतसर से टोरंटो के लिए सीधी उड़ानें भी शुरू की गई हैं।

यह सर्वविदित है कि इन मार्गों के संचालन के बाद सिख प्रवासी बहुत लाभान्वित हो रहे हैं और उन्हें घर जा कर अपने प्रियजनों से जल्दी और बार-बार मिलने में मदद मिलेगी।

इसके अलावा, सिख तीर्थयात्रियों के लिए आंतरिक संपर्क भी बढ़ाया गया है। अमृतसर और नांदेड़ के बीच विशेष उड़ान के माध्यम से हवाई संपर्क शुरू किया गया है। हाल ही में कोविड महामारी के दौरान नांदेड़ में फंसे सिखों के लिये परिवहन की व्यवस्था कर उन्हें घर वापस लाया गया था।

प्रमुख सिख प्रवासी सदस्यों को प्रवासी भारतीय दिवस के मौके पर सम्मानित किया गया और स्वतंत्रता दिवस के लिए आमंत्रित किया गया। 2019 में अमृतसर में एक अनूठा एनआरआई सिख सम्मेलन भी आयोजित किया गया।

2019 में ह्यूस्टन, टेक्सास में सिख प्रवासी भारतीयों के साथ
बातचीत करते प्रधानमंत्री मोदी

केवल भारतीय सिख प्रवासियों के लिये ही मोदी सरकार द्वारा यह विशेष कदम नहीं उठाए हैं।

भारतीय सिख समुदाय के शरण चाहने वाले सदस्यों को 2 वर्ष की वैधता वाले पासपोर्ट जारी किए जाने के साथ काउंसलर सेवाएं प्रदान की जाती हैं। शरण चाहने वालों के परिवार के सदस्यों को अतीत की ब्लैकलिस्ट प्रविष्टियों के साथ किसी भी पारिवारिक लिंक से स्वतंत्र रख कर विचार किया जाता है।

विदेशी पासपोर्ट हासिल करने वाले भी अब वीजा के लिए पात्र हैं। इसके अलावा, भारत में यात्रा करने के लिए सिख प्रवासी भारतीयों के लिए ओसीआई कार्ड जारी करने के लिये ब्लैकलिस्ट जांच भी खत्म की गई है।

भारत ने उन अप्रवासियों के लिए इटली की एमनेस्टी योजना के अनुसार दिशा-निर्देशों में संशोधन किया है जिन्होंने अपने दस्तावेज खो दिए हैं। यह भारतीय प्रवासियों को लाभान्वित करता है, इससे मुख्य रूप से सिखों को इटली में कानूनी पहचान प्राप्त हो रही है।

आइए हम इस महत्वपूर्ण और पवित्र मंच पर संकल्प लें कि हम श्री गुरु नानक देव जी के शब्दों को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे। हम समाज के भीतर सद्भाव बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे।

- नरेन्द्र मोदी

सिख कारीगर के साथ प्रधानमंत्री मोदी, हुनर हाट, नई दिल्ली

18

सिख युवाओं को सशक्त बनाना

2014 से पहले, सिख समुदाय के सिर्फ 18 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई थी। लेकिन मोदी सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि 31 लाख सिख छात्रों को प्री / पोस्ट मैट्रिक और साधन-सह-योग्यता छात्रवृत्ति का लाभ मिले।

सिख युवा हुनर हाट, गरीब नवाज रोजगार योजना, सीखो और कमाओ, नई मंजिल, जैसे रोजगार के अवसरों को प्राप्त करते हुए आत्मनिर्भरता योजनाओं के तहत 10 लाख लाभार्थियों का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनाये गए।

सिख केंद्रित क्षेत्रों में 24% से अधिक पिछड़े क्षेत्रों में प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के तहत निर्मित सामाजिक बुनियादी ढाँचे का विकास हुआ।

1,517 नए स्कूल भवन
646 छात्रावास
163 आवासीय विद्यालय
8,820 स्मार्ट क्लासरूम
32 कॉलेज
94 आईटीआई
13 पॉलिटेक्निक

6 नवोदय विद्यालय
403 बहुउद्देशीय सामुदायिक केंद्र
598 बाजार शेड
5,299 शौचालय और पानी की सुविधा
143 कॉमन सर्विस सेंटर
22 कामकाजी महिला छात्रावास

1,734 स्वास्थ्य परियोजनाएँ
6 अस्पताल
8 हुनर हब
14 विभिन्न खेल सुविधाएं
6,014 आंगनवाड़ी केंद्र
23,233 अतिरिक्त क्लास रूम

“हमें विनिर्माण और कौशल विकास पर काम करना होगा और लुधियाना जैसे शहरों को विकसित करना होगा। मैं चाहता हूं कि लुधियाना भारत का गौरव बने। हम जीरो डिफेक्ट मैन्युफैक्चरिंग पर ध्यान केंद्रित करेंगे ताकि “मेड इन इंडिया” ब्रांड चमक सके।”

- नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री मोदी 18 अक्टूबर 2016 को लुधियाना में राष्ट्रीय एमएसएमई अवार्ड्स से पहले चरखा बांटते हुए, महिलाओं के साथ बातचीत करते हुए।

19

पंजाब के विकास को रफ्तार

पंजाब के लिए प्रधानमंत्री मोदी के दिल में एक विशेष स्थान है, राज्य की राजनीति और लोगों के साथ एक लंबा रिश्ता रहा है। उन्होंने राज्य के लोगों के सामने आने वाली चुनौतियों को करीब से देखा है और हमेशा राज्य के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के विभिन्न दीर्घकालिक मुद्दों पर ध्यान देने के लिए विस्तार से काम किया है

शाहपुरकंडी बांध से सिंचाई पर बल देना

पंजाब भारतीय कृषि के लिए स्वर्णिम राज्य है। यहां सिंचाई क्षमता को बढ़ाने और पंजाब के किसानों के समर्थन के लिए, मोदी सरकार ने 2018-19 से 2022-23 तक पाँच वर्षों में सिंचाई के लिए 485.38 करोड़ की केंद्रीय सहायता से रावी नदी पर शाहपुरकंडी बांध परियोजना के कार्यान्वयन को मंजूरी दी।

परियोजना के पूरा होने पर पंजाब में 5,000 हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता बनाई जाएगी जिससे राज्य के मेहनती किसानों को सीधे लाभ होगा।

इससे कुशल और अर्ध-कुशल श्रमिकों के लिए कई नौकरियां भी पैदा हो रही हैं।

25 नवंबर 2016 को बठिंडा में एम्स के शिलान्यास समारोह में प्रधानमंत्री मोदी ने कृपाण स्वीकार किया।

बांध से पर्यटन, मनोरंजक सुविधाओं और मत्स्य पालन के विकास में मदद मिलेगी, और क्षेत्र के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान होगा।

स्वस्थ पंजाब, खुशहाल पंजाब

लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना, विशेष रूप से सबसे गरीब लोगों तक, मोदी सरकार के लिए प्राथमिकता का विषय रहा है।

पंजाब के 45 लाख से अधिक परिवार आयुष्मान भारत के तहत कवर हैं जो उन्हें निजी अस्पतालों सहित 785 अस्पतालों में मुफ्त में उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।

स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रधानमंत्री मोदी का दृष्टिकोण है कि सभी देशवासी बेहतर और विशिष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकें।

प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप 2016 में बठिंडा में एम्स के लिए आधारशिला रखी गई थी।

चिकित्सा देखभाल और चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए 3 साल के भीतर दिसंबर 2019 में एम्स बठिंडा को स्थापित और संचालित किया गया।

फिरोजपुर में पीजीआई चंडीगढ़ के सैटेलाइट सेंटर को 450 करोड़ की लागत से अनुमोदित किया गया, जो 2022 तक शुरू होगा, यह चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान के लिए एक नया केंद्र बन रहा है जो लोगों को लाभान्वित करेगा।

(ਪ੍ਰਧਾਨ ਮੰਤਰੀ
ਦਾ
ਸ੍ਰੀ

25 नवंबर 2016 को बठिंडा में एम्स के शिलान्यास समारोह में सभा को संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी

कोविड व्यवधान से उबरने में पंजाब को मदद

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों से लेकर फुटपाथ विक्रेता, किसानों से लेकर गरीबों तक, कोविड महामारी के आर्थिक व्यवधान से कई वर्ग प्रभावित हुए हैं। मोदी सरकार इस व्यवधान को संकट बनने से रोकने के लिये काम कर रही है।

पंजाब में उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिए आपातकालीन ऋण गारंटी योजना के तहत 2,529 करोड़ रुपये के ऋणों को 1.15 लाख से अधिक एमएसएमई के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में मंजूरी दी गई।

पंजाब के फुटपाथ विक्रेताओं को अपना व्यवसाय फिर से शुरू करने के लिए ऋण मिल रहा है। प्रधानमंत्री-स्वनिधि योजना के तहत 6,521 स्ट्रीट वेंडरों के लिए ऋणों को मंजूरी दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किसानों को आय सुरक्षा प्रदान करने के प्रयासों के तहत पंजाब के किसानों को प्रधानमंत्री-किसान योजना से प्रत्यक्ष आय सहायता प्राप्त कर रहे हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज के तहत पंजाब के 23.75 लाख किसान वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं ।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत पंजीकृत 12.24 लाख लाभार्थी परिवारों को अप्रैल से अगस्त 2020 के दौरान 24 लाख मुफ्त गैस सिलेंडर मिले।

ग्रामीण गरीबों के लिए अनुपूरक आय के तहत मनरेगा में 2.4 करोड़ मानव दिवस का रोजगार उत्पन्न, अनुसूचित जाति के श्रमिकों के लिए 66.08 प्रतिशत मानव दिवस का रोजगार उत्पन्न।

पंजाब के लिए बुनियादी ढांचा विकास

आर्थिक रूप से बेहतर राज्य होने के नाते पंजाब के बुनियादी ढांचे को अच्छी तरह से बनाए रखने की आवश्यकता है। साल 2014-2018 के बीच राष्ट्रीय राजमार्गों की स्थिति में सुधार के लिए 115 से अधिक परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।

संपर्क को और अधिक बढ़ावा देने के लिए मोदी सरकार ने सितंबर 2020 में पंजाब में 1,000 किलोमीटर सड़कें बनाने के लिए 18 सड़क परियोजनाओं के निर्माण को मंजूरी दी जिसमें निम्न सड़कों से जुड़ी परियोजनाएँ शामिल हैं:

- दिल्ली - अमृतसर - कटरा फोर लेन एक्सप्रेस-वे
- अमृतसर-घुमाण
- घुमाण - टांडा
- अमृतसर - रामदास
- होशियारपुर - ऊना
- होशियारपुर - फगवाड़ा
- सुनाम - मूनक
- मूनक - उकलाना
- टांडा – होशियारपुर

पंजाब नदियों की भूमि है और इसलिए जलमार्ग का उपयोग करना राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। चार अंतर-राज्यीय राष्ट्रीय जलमार्ग पंजाब से होकर जाते हैं।

- राष्ट्रीय जलमार्ग 17 और 98 (हिमाचल प्रदेश और पंजाब)
- राष्ट्रीय जलमार्ग 45 (पंजाब, हरियाणा और राजस्थान)
- राष्ट्रीय जलमार्ग 84 (जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और पंजाब)

पंजाब में उड़ान योजना के तहत आम जनता के लिए बठिंडा, लुधियाना, पठानकोट और आदमपुर के चार हवाई अड्डों को हवाई संपर्क से जोड़ा गया है।

पंजाब के उद्योगों को विविधतापूर्ण और मजबूत बनाना

लुधियाना मेगा फूड पार्क पर काम चल रहा है, जबकि फगवाड़ा में एक मेगा फूड पार्क का उद्घाटन नवंबर 2020 में किया गया।

अमृतसर-जामनगर, चंडीगढ़-राजपुरा- पटियाला-संगरूर-बठिंडा अंतर-कॉरिडोर सड़कें, संगरूर-बठिंडा फीडर रोड, बठिंडा- मंडी डबवाली आर्थिक गलियारे भारतमाला के तहत प्रस्तावित हैं।

मोदी सरकार संगरूर के लहरागागा में उत्तर भारत का पहला संकुचित बायोगैस संयंत्र स्थापित कर रही है। मार्च 2021 में इसे चालू किया जाना है।

अक्टूबर, 2020 में पंजाब के लिए स्वीकृत 4 सीएनजी स्टेशन परिवहन और खाना पकाने के लिए स्वच्छ ईंधन प्रदान करने और प्रदूषण को कम करने में मदद करेंगे।

मोहाली, जालंधर और सरहिंद के ट्रैक्टर और हार्वेस्टर विनिर्माण केंद्रों को कृषि कानून संशोधन के साथ कृषि क्षेत्र में निवेश के लिए मुक्त करने से बढ़ावा मिलेगा।

मोदी सरकार द्वारा भारत का पहला प्रौद्योगिकी और नवाचार सहायता केंद्र पंजाब राज्य में स्थापित किया गया है।

श्री आनंदपुर साहिब गुरुद्वारे में लोगों को संबोधित करते प्रधानमंत्री मोदी

पंजाब की कपड़ा विनिर्माण विरासत को पुनर्जीवित करना

बुनाई और बुने हुए कपड़े के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अलग-अलग योजनाएं शुरू की गई हैं, उनमें से एक में लुधियाना को रूप में चुना गया है।

पंजाब में नवांशहर और लुधियाना के साथ 3 एकीकृत टेक्सटाइल पार्क शुरू किए गए हैं, जबकि बरनाला में एक पार्क में जल्द ही परिचालन शुरू होगा

1,480 करोड़ के अनुमानित परिव्यय पर 2020-21 से 2023-24 तक चार साल के कार्यान्वयन की अवधि के साथ राष्ट्रीय तकनीकी कपड़ा मिशन, शहर के जी जीवंत बन्त वस्त्र उद्योग वाले लुधियाना को विशेष लाभ पहुंचाएगा।

मोदी सरकार के समर्थन से पीपीई किट के निर्माण हब के रूप में फगवाड़ा और लुधियाना भारत के गौरव के रूप में उभरे, छह महीने के भीतर यह एक नया निर्यात उन्मुख उद्योग बना है।

पंजाब के कपड़ा उद्योग को व्यापक रूप से लाभान्वित करने और कपड़ा क्षेत्र को लाभ पहुंचाने के लिए पीटीए पर एंटी-डंपिंग शुल्क को समाप्त कर दिया गया है।

पंजाब की महिलाओं के कल्याण के लिए काम

समन्वित बाल विकास योजना के तहत पूरक पोषण और प्री स्कूल शिक्षा के तहत 41.5 लाख लाभार्थी

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के तहत 3.25 लाख महिलाओं को 144 करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त हुए।

मार्च 2020 तक की किशोरी बालिकाओं के लिए योजना के तहत 3.66 लाख बालिकाओं को लाभ हुआ।

जनवरी 2020 तक पंजाब में मुद्रा योजना के तहत 40 लाख लाभार्थियों में से 23.75 लाख से अधिक महिला ऋणकर्ताओं को लाभ हुआ

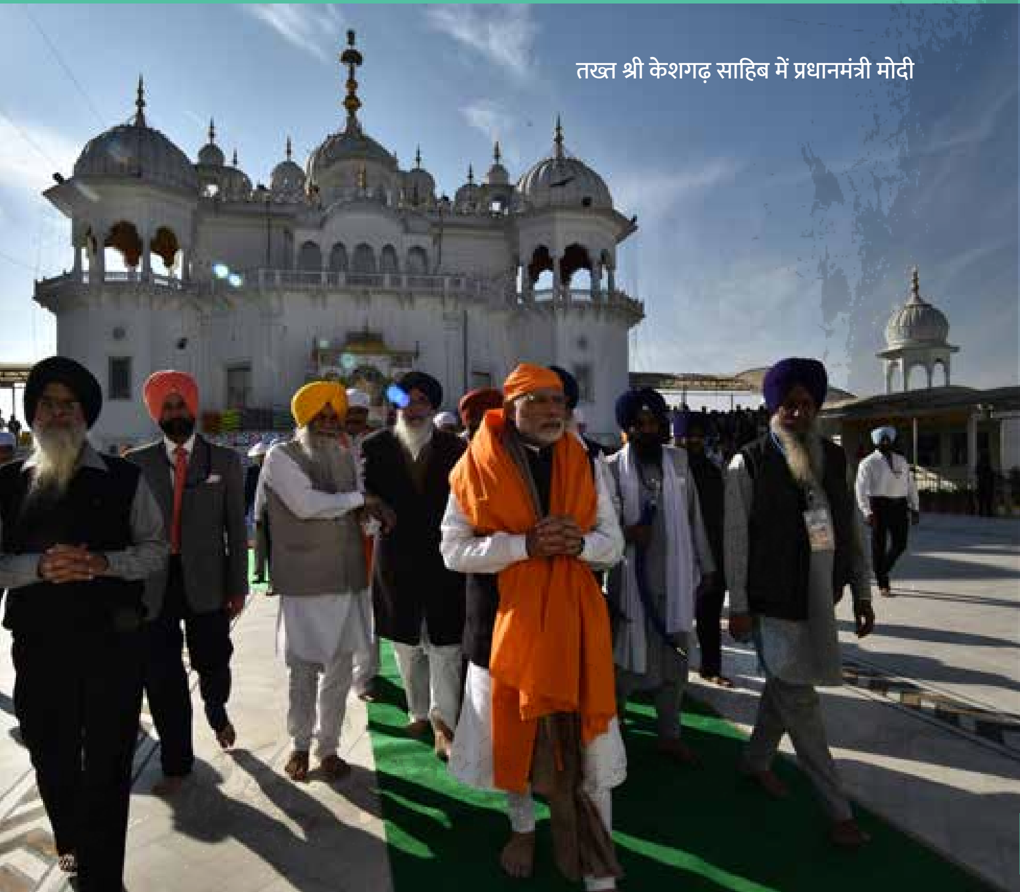

तख्त श्री केशगढ़ साहिब में प्रधानमंत्री मोदी

सभी पंजाबियों के लिए जीवनयापन में आसानी

पंजाब में 22.29 लाख परिवारों को जल जीवन मिशन के तहत पानी का कनेक्शन प्रदान किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत 3.84 लाख घरेलू शौचालय जिससे 99.8 प्रतिशत से अधिक कवरेज सुनिश्चित।

पंजाब में 73 लाख से अधिक जन धन खाते खोले गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में एक लाख से अधिक आवासों को स्वीकृति।

पंजाब के ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत 8,243 किलोमीटर सड़क का काम पूरा हुआ।

अमृतसर, जालंधर, लुधियाना, बठिंडा के लिए पाइप्ड सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क जल्द चालू होगा। मानसा, फिरोजपुर, फरीदकोट, मुक्तसर, होशियारपुर, मोहाली और गुरदासपुर भी नेटवर्क का हिस्सा बनेंगे।

सुख-दुख में हमेशा साथ

गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक सामुदायिक कार्यक्रम में सिख समुदाय द्वारा नरेन्द्र मोदी को सिरोपा देकर सम्मानित किया गया।

नरेन्द्र मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एक सामुदायिक कार्यक्रम के लिए गुरुद्वारे के दौरे पर।

अमेरिका के न्यूयॉर्क में सिखों के एक समूह ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और उनके साथ एकजुटता व्यक्त की, 28 सितंबर, 2014

नरेन्द्र मोदी ने गुजराती नव वर्ष समारोह के दौरान गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में सिख समुदाय के प्रतिनिधियों से एक स्मृति चिह्न स्वीकार किया।

प्रधानमंत्री मोदी को 16 अप्रैल, 2015 को कनाडा के वैंकूवर के रॉस स्ट्रीट में गुरुद्वारा खालसा दीवान में सम्मानित किया गया।

सत्यमेव जयते

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय
भारत सरकार